भारत की शिक्षा प्रणाली में खामियां

द हिंदू

पेपर- II (शासन प्रणाली)

महामारी भारत के सबसे छोटे नागरिकों यानी बच्चों पर भारी गुजरी थी, लेकिन इसके असर सही मायने में अब सामने आ रहे हैं। शिक्षा की वार्षिक स्थिति रिपोर्ट 'असर 2023 : बीयॉन्ड बेसिक्स' नाम से बुधवार को जारी की गयी। यह एक सर्वेक्षण है जिसे सिविल सोसाइटी संगठन 'प्रथम' ने 14 से 18 साल के ग्रामीण बच्चों के बीच किया है। इस रिपोर्ट में पाया गया कि इन बच्चों में आधे से ज्यादा ऐसे हैं जिन्हें उस बुनियादी गणित में मुश्किल पेश आयी, जिसमें उन्हें कक्षा 3 या 4 में माहिर हो जाना चाहिए था। चार सालों में पहली बार घरों में जाकर सर्वेक्षण हो पाया। इसे 26 राज्यों के 28 जिलों में किया गया और 34,745 छात्रों की बुनियादी स्तर की पठन व अंकगणितीय क्षमताओं का आकलन किया गया। इसमें कई अन्य निष्कर्ष भी सामने आये हैं। इस आयु वर्ग के 25 फीसदी से ज्यादा बच्चे अपनी मातृभाषा में कक्षा 2 के स्तर के पाठ नहीं पढ़ पाते। हालांकि, लड़के अंकगणित और अंग्रेजी पढ़ पाने के मामले में लड़कियों से बेहतर हैं। कुल मिलाकर, 14-18 वर्ष आयु वर्ग के बच्चों में से 86.8 प्रतिशत किसी न किसी शैक्षणिक संस्थान में नामांकित हैं। लेकिन उनके बड़े होने के साथ खामियां उभरने लगती हैं। 14 साल के 3.9 फीसदी बच्चे स्कूलों में नामांकित नहीं हैं। लेकिन 18 साल वालों के मामले में यह आंकड़ा 32.6 फीसदी तक पहुंच जाता है। इसके अलावा कक्षा 11 और उसके ऊपर ज्यादा छात्र मानविकी को ही चुनते हैं; लेकिन लड़कियों के विज्ञान के वर्ग में नामांकित (28.1%) होने की संभावना लड़कों की तुलना (36.3%) में और भी कम होती है, और व्यावसायिक प्रशिक्षण और अन्य संबंधित पाठ्यक्रमों को तो महज 5.6 फीसदी लड़कियों ने चुना है।

राष्ट्रीय स्तर पर 'प्राइवेट ट्यूशन' का सहारा लेने वाले बच्चों का अनुपात 2018 में 25 फीसदी से बढ़कर 30 फीसदी हो गया है। सर्वेक्षण में शामिल नौजवानों में से लगभग 90 फीसदी के पास स्मार्टफोन है और वे उसे इस्तेमाल करना जानते

एएसईआर 2023 के निष्कर्ष

बुनियादी शिक्षा पर रुझान:

- कुल मिलाकर 14-18 वर्ष की आयु वालों में से एक चौथाई (26.5%) अपनी क्षेत्रीय भाषा में कक्षा 2-स्तरीय पाठ्यपुस्तक नहीं पढ़ सकते थे, और आधे से थोड़ा कम (42.7%) अंग्रेजी में वाक्य नहीं पढ़ सकते थे।
- जो लोग इन वाक्यों को पढ़ सकते हैं, उनमें से एक चौथाई से अधिक (26.5%) को यह समझ में नहीं आया कि वे क्या पढ़ रहे थे।
- बुनियादी गणित बड़ी चुनौती बनी हुई है। सर्वेक्षण में शामिल आधे से अधिक छात्र (56.7%) 3-अंकीय और 1-अंकीय विभाजन समस्या को हल नहीं कर सके।
- विभाजन करने की क्षमता को बुनियादी अंकगणितीय परिचालन करने की क्षमता के प्रॉक्सी के रूप में देखा जाता है।

अंकगणित दक्षता:

- सर्वेक्षण किए गए समूह में 45% युवाओं के पास बुनियादी अंकगणितीय दक्षता है।
- बाकियों को पकड़ने की जरूरत है क्योंकि मूलभूत संख्यात्मकता का निम्न स्तर युवाओं की रोजमर्रा की गणना (जैसे, वित्तीय गणना के लिए) से निपटने की क्षमता को प्रभावित करता है।

रोजमर्रा की गणनाओं में बुनियादी कौशल का अनुप्रयोग:

- सर्वेक्षण में शामिल 85% युवा प्रारंभिक बिंदु 0 सेमी होने पर स्केल का उपयोग करके लंबाई माप सकते हैं, लेकिन शुरुआती बिंदु स्थानांतरित होने पर यह तेजी से घटकर 39% हो जाता है।
- इसमें 2017 की तुलना में गिरावट देखी गई जब यह 86% और 40% थी। रोजमर्रा की सभी गणनाओं में पुरुष महिलाओं की तुलना में बेहतर प्रदर्शन करते हैं।

विभिन्न धाराओं में नामांकन:

- सर्वेक्षण से पता चलता है कि इस आयु वर्ग के आधे से अधिक (55.7%) युवा कला/मानविकी स्ट्रीम में नामांकित थे, इसके बाद एसटीईएम (31.7%) और वाणिज्य (9.4%) थे।
- महिलाओं (28.1%) की तुलना में अधिक पुरुषों ने एसटीईएम स्ट्रीम (36.3%) में नामांकन की सूचना दी है।

स्मार्टफोन का उपयोग:

- सर्वेक्षण में शामिल लोगों में से लगभग 89% के पास घर में एक स्मार्टफोन था और 92% ने कहा कि वे जानते हैं कि इसका उपयोग कैसे करना है - एक बदलाव का संकेत है जो महामारी के वर्षों और उसके बाद जोर पकड़ चुका है।
- हालाँकि, महिलाओं की तुलना में पुरुषों के पास अपना स्मार्टफोन रखने की संभावना दोगुनी से भी अधिक थी, और इसलिए वे विभिन्न प्रकार के कार्यों के लिए डिवाइस का उपयोग करने में कहीं अधिक समय व्यतीत कर रहे थे ।

सोशल मीडिया का उपयोग:

- दिलचस्प बात यह है कि सर्वेक्षण में पाया गया कि इस आयु वर्ग के 90.5% युवाओं ने सप्ताह में सोशल मीडिया का उपयोग करने की सूचना दी, जिसमें महिलाओं (87.8%) की तुलना में पुरुषों (93.4%) का अनुपात थोड़ा अधिक है।
- हालाँकि, यह देखा गया कि सोशल मीडिया का उपयोग करने वाले सभी युवाओं में से केवल आधे ही ऑनलाइन सुरक्षा सेटिंग्स से परिचित हैं जिन्हें सर्वेक्षण में शामिल किया गया था।

हैं। हालांकि बहुतों को 'ऑनलाइन सेफ्टी सेटिंग्स' के बारे में जानकारी नहीं है। इन रुझानों खासकर पढ़ने और सरल अंकगणित हल करने में फिसड्डीपन, से यह अंदाजा मिलता है कि शिक्षा प्रणाली में क्या समस्या है और किन सुधारात्मक उपायों की जरूरत है। राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 कहती है कि "2025 तक प्राथमिक विद्यालयों में सार्वभौमिक बुनियादी साक्षरता और अंकगणितीय क्षमता हासिल करना" सर्वोच्च प्राथमिकता है। रिपोर्ट कहती है कि सभी राज्यों ने 'निपुण भारत मिशन' के तहत बुनियादी साक्षरता और अंकगणितीय क्षमता की दिशा में काफी कोशिश की है, लेकिन आंकड़े दिखाते हैं कि भारत जैसे विविधतापूर्ण और विशाल देश में अभी बहुत कुछ किये जाने की जरूरत है। बढ़ता नामांकन अच्छी चीज है, लेकिन अनिवार्य स्कूली शिक्षा (कक्षा 8) पूरी करने के बाद जो चीज छात्रों का इंतजार कर रही होती है, वह उतनी सुहावनी नहीं है। कई बार तो इसकी वजह बस यह होती है कि वे उच्च माध्यमिक स्तर के लिए निर्धारित महत्वाकांक्षी पाठ्यक्रम से पार पाने में सक्षम नहीं होते। शिक्षा के अधिकार अधिनियम, 2009 ने शिक्षा तक सार्वभौमिक पहुंच सुनिश्चित हो सकती है, लेकिन कानून की सच्ची भावना के अनुरूप यह हर बच्चे को छू पाए उससे पहले बहुत से गैप्स भरने होंगे।

प्रारंभिक परीक्षा के संभावित प्रश्न (Prelims Expected Question)

प्रश्न : शिक्षा की वार्षिक स्थिति रिपोर्ट (एएसईआर) 2023 के संदर्भ में निम्नलिखित कथनों पर विचार करें:

1. इसके अनुसार, 14-18 आयु वर्ग के लगभग 43% बच्चे अंग्रेजी में वाक्य नहीं पढ़ सकते हैं।
2. इसे एनजीओ प्रथम द्वारा जारी किया गया है।

उपर्युक्त में से कौन सा/से कथन सत्य है/हैं?

(a) केवल 1
(b) केवल 2
(c) 1 और 2 दोनों
(d) न तो 1 और न ही 2

Que. Consider the following statements with reference to the Annual Status of Education Report (ASER) 2023:

1. According to this, about 43% of children in the age group of 14-18 cannot read sentences in English.
2. It is released by NGO Pratham.

Which of the above statements is/are correct?

(a) Only 1
(b) Only 2
(c) Both 1 and 2
(d) Neither 1 and nor 2

उत्तर : C

मुख्य परीक्षा के संभावित प्रश्न व प्रारूप (Expected Question & Format)

प्रश्न: शिक्षा के अधिकार अधिनियम, 2009 ने शिक्षा तक सार्वभौमिक पहुंच सुनिश्चित की हो सकती है, लेकिन कानून की सच्ची भावना के अनुरूप यह हर बच्चे को छू पाए उसके लिए अभी प्रयास शेष हैं। टिप्पणी करें।

उत्तर का दृष्टिकोण :

- उत्तर के पहले भाग में शिक्षा के अधिकार अधिनियम, 2009 के प्रमुख प्रावधानों की चर्चा करें।
- दूसरे भाग में शिक्षा के अधिकार अधिनियम, 2009 के वास्तविक कार्यान्वयन में मौजूद कमियों की चर्चा करें।
- अंत में सुझाव देते हुए निष्कर्ष दें।

नोट : अभ्यास के लिए दिया गया मुख्य परीक्षा का प्रश्न आगामी UPSC मुख्य परीक्षा को ध्यान में रखकर बनाया गया है। अतः इस प्रश्न का उत्तर लिखने के लिए आप इस आलेख के साथ-साथ इस टॉपिक से संबंधित अन्य स्रोतों का भी सहयोग ले सकते हैं।